पाठ 10. पॉलीथीन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण की स्वच्छता हेतु जागरूक करना है। हमें पर्यावरण को क्षति नहीं पहुँचानी चाहिए। हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि हम पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रयास करें। हमें पॉलीथीन का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

पाठ का सारांश

यह पाठ एकांकी विधा में रचित है। सुबह प्रभाकर तैयार होकर अपने कार्यालय जाते हैं। विशाखा अपने फ्लैट के छज्जे से कूड़ा फेंकती है जो प्रभाकर के ऊपर गिरता है। वह गुस्से में विशाखा पर चिल्लाता है। सुनयना प्रभाकर से बोलती है कि आप मेरे घर के बारे में बोलने वाले कौन होते हैं। उनका झगड़ा सुनकर मंटू काका आते हैं। वे विशाखा की गलती बताते हैं। झगड़ा इतना बढ़ जाता है कि सभी सुनयना के पति विकल्प जी से मिलने उनके घर जाते हैं और अपनी शिकायत बताते हैं। सुनयना कहती है कि आप लोग भी सड़क पर कार और स्कूटर खड़े कर देते हैं जिससे सफ़ाई नहीं हो पाती। जावेद कहता है कि पॉलीथीन की थैलियों के कारण नालियों की सफ़ाई भी ठीक से नहीं हो पाती। विकल्प जी असल समस्या पॉलीथीन की थैलियों को मानते हैं। सुनयना कपड़े या मोटे कागज़ की थैलियों के प्रयोग का सुझाव देती है। जावेद कहता है कि हमें पॉलीथीन की थैलियों से होने वाली हानि के बारे में लोगों तो बताना चाहिए। विशाखा प्रभाकर से माफ़ी माँगती है और आगे से सड़क पर कूड़ा न फेंकने के लिए कहती है।

अध्यापन संकेत

पाठ पठन से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे प्रश्नों पर बातचीत करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। पाठ में निहित सीख से बच्चों को अवगत कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ। बच्चों को साफ़-सफ़ाई रखने हेतु प्रेरित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से पूछें, वे पर्यावरण प्रदूषण के लिए किसे ज़िम्मेदार मानते हैं?
- उनसे पूछें, क्या उन्होंने किसी को खुले में कूड़ा फेंकते देखा है, यदि 'हाँ' तो क्या उन्होंने इसका विरोध किया?
- 'पर्यावरण स्वच्छता अभियान' पर बच्चों से पोस्टर बनवाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।